'भिवानी गौरव सम्मान'-2011

www.ebhiwani.com

श्री शेर सिंह आर्य
(नीमड़ीवाली)

चौधरी बंसीलाल भिवानी गौरव सम्मान
(लोक प्रशासन एवं ग्राम विकास)

श्री शेर सिंह आर्य जी का जन्म आश्विन शुक्ल द्वादशी विक्रमी सम्वत् 2014 को ग्राम नीमड़ीवाली जिला भिवानी में हुआ । बचपन से ही योग शिक्षा और सत्संग मिलने के कारण सात्विक वातावरण में जीवन निर्माण हुआ। आपकी माता का नाम श्रीमती बाला देवी तथा पिता का नाम श्री मुंशी राम है। आपका विवाह सम्वत 2041 में गुरुकुल की स्नातिका श्रीमती शकुंतला देवी से हुआ। शिक्षा पूरी करने के पश्चात गाँव में महर्षि दयानंद विद्यालय की स्थापना तथा संचालन किया। सन् 2001 में अकाल जैसी स्थिति में गायों की दुर्दशा देखकर असहाय एवं लावारिस गायों के चारे पानी आदि की व्यवस्था गाँव के सरकारी पशु अस्पताल में की और सन् 2002 में एक ऋषिकुल गौशाला की स्थापना की जो आज एक आदर्श गौशाला बन गयी है। इस कार्य को देखते हुए आपको जिला भिवानी की समस्त गौशालाओं का प्रधान बनाया गया। सामाजिक कार्यों में आपकी भागीदारी को देखकर आपको भिवानी अनाथालय कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया तथा वहाँ के मैनेजर पद का भार दिया गया। आप अपनी बेहतर कार्यशैली के कारण जाने जाते हैं। सम्प्रति आप गाँव के सरपंच पर कार्यरत होकर ग्राम विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको चौधरी बंसी लाल भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ ।

श्री देवब्रत वशिष्ठ
(भिवानी)

बाबू बनारसीदास गुप्त भिवानी गौरव सम्मान
(पत्रकारिता)

श्री देवब्रत वशिष्ठ जी का जन्म 22 जनवरी 1934 को भिवानी में हुआ आपके पिता का नाम श्री रवींद्र नाथ वशिष्ठ एवं माता का नाम श्रीमती इमरती देवी है। सन् 1955 में भोपाल से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र नवप्रभात मे उप–सम्पादक के पद पर रहकर पत्रकारिता का कार्य सीखा। 26 जनवरी, 1956 को भिवानी से अपने पिता द्वारा प्रारम्भ किये गये साप्ताहिक समाचार पत्र चेतना का कार्यभार सम्भाला। अपने अथक प्रयासों से आपने चेतना को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाया। सुदूर नेपाल, असम, मणिपुर, उड़ीसा, पण्बंगाल, महाराष्ट्र सहित देश के अनेक हिस्सों तथा विदेश में हाँगकांग आदि में चेतना ने वहाँ हरियाणा के प्रतिनिधि के रूप मे कार्य किया। आप अपनी सुस्पष्ट, निर्विवाद एवं स्वतंत्र लेखनी के कारण जाने जाते हैं। स्वतंत्र पत्रकार के रूप मे आपके लेख अंग्रेजी के द ट्रिब्यून, द हिन्दुस्तान टाइम्स द इलस्ट्रेटेड व हिन्दी के नवभारत टाइम्स, हिन्दुस्तान, दैनिक ट्रिब्यून, जनसत्ता आदि में प्रकाशित होते रहे हैं। आप लम्बे अरसे तक द ट्रिब्यून, दैनिक ट्रिब्यून, हिन्दुस्तान के सम्वाददाता रहे।

देश के प्रमुख राजनैतिक नेताओं और लेखक सम्पादकों से आपका व्यक्तिगत सम्पर्क रहा तथा उनका आपके आवास चेतना सदन में कई बार आगमन हुआ। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको बाबू बनारसी दास भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

श्री नरेन्द्रजीत सिंह रावल
(भिवानी-दिल्ली)

श्री रामकृष्ण गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान
(शिक्षा)

छोटी काशी के नाम से विख्यात भिवानी ने शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति की है । शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐसी ही विभूति है श्री नरेद्रजीत सिंह रावल। आपका जन्म 15 नवम्बर, 1940 को चीचावतनी, मिन्टगुमरी, पाकिस्तान में हुआ। आपका विवाह सन् 1967 में श्रीमती शांता रावल जी के साथ हुआ। आप भिवानी के बहुत ही प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान हलवासिया विद्या विहार से लगभग 36 वर्षों 1965–2001 तक जुड़े रहे तथा संस्था की एक अलग पहचान कायम की। आप अनेकों सामाजिक संगठनों से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। आप हरियाणा अध्यापक शिक्षा परिषद के मंत्री रह चुके हैं। आप हिन्दु शिक्षा समिति हरियाणा के मंत्री रह चुके हैं।

वर्तमान में आप अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान 'संस्कार भारती' के राष्ट्रीय महामंत्री हैं। National Council of Teachers (NCT) के आप सदस्य हैं। दिल्ली नगर निगम की प्राथमिक शिक्षा समिति के आप सदस्य हैं। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको श्री राम कृष्ण गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ ।

श्री शिव नारायण शास्त्री
(खरक-भिवानी)

पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान
(साहित्य)

देश भर के विद्वानों में श्री शिव नारायण शास्त्री जी का नाम बड़े आदर से लिया जाता है। आपका जन्म 15 मई, 1938 को गाँव खरक जिला भिवानी में हुआ। आपके पिता का नाम पंडित श्री श्रीनिवास शास्त्री ज्योतिषाचार्य तथा माता का नाम श्रीमती सीता देवी है। आपका विवाह श्रीमती कुसुम शर्मा जी के साथ हुआ। आपने बनारस से शास्त्री, प्रभाकर, वेदांत शास्त्री की शिक्षा ग्रहण की। आप दिल्ली विश्वविद्यालय से साहित्याचार्य तथा संस्कृत में एमएए हैं। आप किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली से लगभग 39 वर्ष 1962–2001 की सेवा के उपरांत संस्कृत के रीडर पद से सेवानिवृत्त हुए। आपने संस्कृत के अनेक उपयोगी ग्रंथों की रचना की। आपको विभिन्न साहित्यिक सम्मानों से नवाजा गया। संस्कृत साहित्यसेवा सम्मान, स्वामी हरिहरानंद पुरस्कार, निरुक्त वेदांग सम्मान, महर्षि बाल्मीकि सम्मान इसमें प्रमुख हैं। आप अनेकों सामाजिक संगठनों से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

सम्प्रति आप 'श्रीसीतादेवी श्रीनिवास शास्त्री खरकिये सेवानिधि' के माध्यम से निर्धन महिलाओं और बालकों की सेवा में तथा श्रीराम सहाय वेदवेदांग विद्यालय, भिवानी के द्वारा वेद, वेदांग और कर्मकान्ड के शिक्षण में तथा स्वाध्याय एवं लेखन मे रत हैं। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको श्री माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ ।

श्री राजेन्द्र स्वरूप राजन
(भिवानी-दिल्ली)

पंडित गोपाल कृष्ण भिवानी गौरव सम्मान
(संगीत)

विभिन्न क्षेत्रों में भिवानी की अनेक विभूतियो ने अपनी एक छाप छोड़ी है। संगीत के क्षेत्र में एक ऐसी ही विभूति हैं श्री राजेन्द्र स्वरूप राजन आपका जन्म 16 जनवरी, 1928 को श्री चंदु लाल जी के घर हुआ। आपका विवाह श्रीमती भगवती देवी जी के साथ हुआ। विश्व प्रसिद्ध एवं विश्व विख्यात विचित्र वीणा वादक पंडित गोपाल कृष्ण जी से आपने संगीत की शिक्षा ग्रहण की। गुरु जी से आपने वीणा वादन, गायन तथा भारतीय साज वाद्य की शिक्षा ली। आपने पंजाब विश्वविद्यालय से स्नातक तथा प्रयाग समिति इलाहाबाद से संगीत प्रवीण संगीत मे एम. ए. किया। आप दिल्ली सरकार के अधीन अनेक विद्यालयों में संगीत के शिक्षक रह चुके हैं। आपके द्वारा प्रशिक्षित विद्यार्थियों का आज संगीत के क्षेत्र में काफी नाम है। आपके परिवार में तीन सुपुत्र तथा एक सुपुत्री हैं। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित गोपाल कृष्ण भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

श्री हरिचरण शर्मा
(भिवानी)

श्री सुरजीत सिंह भिवानी गौरव सम्मान
(खेल)

आज गुरु शिष्य की परम्परा महज शिक्षा तक सीमित ना होकर बहुआयामी है। श्री हरिचरण शर्मा जैसे गुरु इस कहावत को चरितार्थ कर रहे है। आपका जन्म 23 फरवरी 1939 को हुआ। सन 1962 मे सरकारी सेवा में आकर आप अपने विद्यार्थियों के निर्माण मे लग गये। देवराला, बड़सी, बापोड़ा, जाटू लुहारी, दिनोद मे सेवारत रहकर आपने अनेक विद्यार्थियों को एथलिटिक्स, हाकी, कबड्डी, कुश्ती आदि मे पारंगत करके जिला भिवानी और हिसार में हर बार प्रथम या द्वितीय स्थान दिलाया। आपसे प्रशिक्षित विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई तथा बाद में सेना, एयरफोर्स, रेलवे तथा टाटा स्टील जैसी कम्पनी में कार्यरत होकर उनकी ओर से विभिन्न खेलों में खेलते रहे। स्व. सुरजीत सिंह जी के साथ पोलवोल्ट के लिये प्रातरू 4 बजे उठकर अपने विद्यार्थियों के साथ स्वयं भी कसरत करते थे। आज भी आप 72 वर्ष की आयु में स्थानीय भीम स्टेडियम जाकर विद्यार्थियों को एथलिटिक्स की ट्रिक्स बताते हैं। आपके द्वारा प्रशिक्षित खिलाड़ी आपका काफी सम्मान करते हैं। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको श्री सुरजीत सिंह भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ ।

श्री श्याम सुन्दर
(चरखी दादरी-यमुनानगर)

श्री फकीर चंद भिवानी गौरव सम्मान (सेवा)

दुनिया भर में सेवा के क्षेत्र में चरखी दादरी ने एक मिसाल कायम की है। इसी धरती पर जन्मे श्री श्याम सुंदर किसी परिचय के मोहताज नहीं है। आपका जन्म 5 फरवरी 1968 को हुआ। आप जनसम्पर्क तथा पत्रकारिता में स्नात्कोत्तर हैं। आपने समाज में नौकरी से हटकर कुछ ऐसे कार्य किये जिससे समाज में व्यापक सुधार आया। आपने बेटी बचाओ अभियान को गली से लेकर राज्य भर में चलाया तथा चेतना रैली, नुक्कड़ सभा के माध्यम से 5 लाख से अधिक लोगों से सीधा सम्पर्क किया तथा बेटी के महत्व को समझाया। केवल बेटे के जन्म पर माँ द्वारा कुँआ पूजन की परम्परा और रूढ़िवादी मान्यता को दरकिनार करते हुए बेटी के जन्म पर भी कुँआ पूजन की शुरुआत की गयी तथा इस सामाजिक सोच को पूरे राज्य मे शुरु किया गया। आपकी इस पहल के बाद आज हजारों महिलायें बेटी के जन्म पर उत्सव मनाती हैं। आपकी इस सामाजिक सोच को विदेशी मीडिया ने भी अपना स्थान दिया है। बेटी को बचाने के लिये आपने सात नहीं बल्कि आठ फेरों की शुरुआत की। वर–वधु को शादी के मंडप पर की कन्याओं को बचाने के लिये एक और अतिरिक्त फेरा लेने के लिये प्रेरित किया गया । पहला आठवाँ फेरा सन 2007 में गांव पैंतावास में किया गया। आपके प्रयासों से लड़कियों के लिये समानता के अधिकार के लिये एक अनूठी सामाजिक पहल के तहत किसी लड़की द्वारा घुडचढ़ी की शुरुआत सन 2011 में की गयी। आपने संतों, फकीरों, से भी अपनी सभाओं में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने के लिये प्रवचनों के माध्यम से बताने के लिये अनुरोध किया । इसके लिये आप आर्ट आफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रवि शंकर जी से भी मिले। सम्प्रति आप रेडक्रास सोसायटी, यमुनानगर के पद पर हैं तथा आपको हरियाणा राज्य रेडक्रास सोसायटी, चंडीगढ़ का मीडिया सलाहकार भी बनाया गया है। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको श्री फकीर चंद भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ ।

ले.ज.रि श्री जे.बी.एस. यादव
(अचीना-गुड़गावं)

पंडित नेकीराम शर्मा भिवानी गौरव सम्मान
(राष्ट्र सेवा)

हरियाणा की मिट्टी में जन्मे अनेक वीरों ने राष्ट्र सेवा में अपना योगदान दिया है। एक ऐसे ही वीर सिपाही हैं लेफ्टिनेट जनरल सेवानिवृत श्री जे.बी.एस. यादव। आपका जन्म 28 फरवरी 1945 को गाँव अचीणा जिला भिवानी में हुआ। प्रारम्भिक शिक्षा के पश्चात् जनवरी 1961 में आपने राष्ट्रीय सुरक्षा अकादमी पुणे में प्रवेश लिया तथा दिसम्बर 1963 में प्रशिक्षण पूर्ण किया। आपका विवाह डाक्टर नीरा यादव के साथ हुआ। आपको अगस्त 1964 में सेकेड लेफ्टिनेट के रूप में 11 गोरखा राईफल्स में कमीशन प्राप्त हुआ। आपने पाकिस्तान के खिलाफ हुए 1965 और 1971 की लड़ाई में हिस्सा लिया। आपके अदम्य साहस और वीरता के कारण आपको 1971 में वीर चक्र से नवाजा गया। आपको असाधारण सेवा के लिये विशिष्ट सेवा मैडल, अति विशिष्ट सेवा मैडल तथा परम विशिष्ट सेवा मैडल प्रदान किया गया। आपको प्रोन्नत करके लेफ्टिनेट जनरल का कार्यभार दिया गया। सन 2001–2002 में आपने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन पराक्रम को अंजाम दिया। आप 1984–1988 तक भारतीया दूतावास, मलेशिया में सैनिक सलाहकार रहे आपको मेरठ विश्वविद्यालय ने PhD की उपाधि प्रदान की। आपने संयुक्त राष्ट्र संघ, अमेरिका, फ्रांस, इटली, स्विट्जरलैंड, बोट्स्वाना, लेसोथो, नेपाल, भूटान आदि देशो में सेना के प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व किया। आप सन् 2005 में सेवानिवृत हुए। आप सन् 2008–2010 में हरियाणा सरकार में राज्य सूचना आयुक्त भी रहे। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित नेकी राम शर्मा भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।